an>

title: Regarding water crisis in the country.

श्री निशिकान्त दुबे (गोड्डा) : महोदया, आज सुबह जो चर्चा रामचन्दून साहब ने उठाई, देश के लिए आज की स्थिति बड़ी संकट की है और लगभग 33 करोड़ लोग कहीं न कहीं सुखाड़ से प्रभावित हैं। लोगों को पीने का पानी नहीं मिल रहा है, जानवरों को पीने का पानी नहीं मिल रहा है और किसानों को सिंचाई का साधन उपलब्ध नहीं हो रहा है। मैं जिस राज्य से आता हूं, वहां की स्थिति और भी खराब है, केवल आठ पर्सेंट खेती इरीगेटेड है, जबकि 92 पर्सेंट खेतों में आज तक पानी नहीं जा पाया है। जब वर्ष 2000 में झारखण्ड और बिहार का बंटवारा हुआ, तो आज भी झारखण्ड की वही स्थिति बनी हुई है।

मैंडम, हमारी स्थिति और भी दूसरी है। हमारे जो डैम हैं, वर्ष 1978 में बिहार सरकार ने बंगाल के साथ उसको गिरवी रख दिया। डैम हमारे यहां है, हमारी जमीन पर है, झारखण्ड की जमीन पर है, मसानजोर, पंचैत और मैथन, ये तीन डैम हमारी जमीन पर हैं और उनका पूरा का पूरा पानी केवल और केवल बंगाल सरकार को जाता है। इससे ज्यादा बड़ी विडम्बना आप किसी राज्य के साथ नहीं देख सकते हैं। प्रधानमंत्री जी इसके लिए बड़ा काम कर रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना दी हुई है। सिंचाई के लिए अच्छा साधन कैसे मुहैय्या हो, पीने के पानी की कैसे व्यवस्था हो? मेरा आपसे एक बड़ा सवाल है कि जिस तरह से लोगों को शिक्षा नहीं मिल रही थी तो भारत सरकार ने एक योजना सर्व शिक्षा अभियान के तहत दी और स्कूल कहां खुलेगा, मिडिल स्कूल कहां खुलेगा, हाई स्कूल कहां खुलेगा, यह उसने तय किया। चूंकि यह माना जाता है कि कुछ केन्द्र के विषय हैं और कुछ राज्य के विषय हैं और पानी को राज्य का विषय मान लिया जाता है, जबकि इंटरनेशनल और नेशनल दोनों सरकारें इससे प्रभावित होती हैं। दूसरी तरह से एन.आर.एच.एम. जो स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए उन्होंने बनाया है। यदि स्वास्थ्य के क्षेत्र में राज्य सरकार काम नहीं कर रही है तो एन.आर.एच.एम. के माध्यम से पैसा जा रहा है। यदि राज्य रोड नहीं बना रही हैं तो पी.एम.जी.एस. स्कीम है।

मेरा आपके माध्यम से सरकार से आग्रह है कि वह दिन आ गया है कि केन्द्र सरकार कोई इनिशिएटिव लेकर, राज्यों को बैठाकर जिस तरह से पी.एम.जी.एस.वाई योजना., एन.आर.एच.एम. योजना, सर्व शिक्षा अभियान, बिजली के लिए दीनदयाल ग्राम ज्योति योजना है, उसी तरह से पानी के लिए एक नेशनल पॉलिसी बनानी चाहिए। केन्द्र और राज्य में किस तरह से लोगों, जानवरों और खेतों को पानी जायेगा, यदि इसकी व्यवस्था होगी तो उचित होगा। धन्यवाद। जय हिंद, जय भारत।

माननीय अध्यक्ष :

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत,

डॉ. सत्यपाल सिंह,

श्री सुनील कुमार सिंह,

श्री रवीन्द्र कुमार जेना,

श्री दुष्यंत सिंह,

श्री अनुराग सिंह ठाकुर,

श्री शिवकुमार उदासि,

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री रोड़मल नागर और

श्री सुधीर गुप्ता को श्री निशिकान्त दुबे. द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।